1. सफलता की कहानी

बी.आर.पटेल, मुरलीधर देवॉगन, डॉ.एम.के. रघुनाथ एवं आर.बी. सिन्हा
रिपोर्ट-बु.बी.प्र.एवं प्र.केन्द्र, बोइरदादर एवं बु.त.रे.बी.सं. बिलासपुर (छ.ग.)

श्री कमलसिंह पिता श्री भगाउ, उम्र 30 वर्ष ग्राम/पोस्ट –बार, तहसील-बरमकेला, जिला रायगढ (छ.ग.) के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र का निवासी है जो कि पिछले 10-12 वर्षों से बुनियादी बीज प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बोईरदादर द्वारा राज्य रेशम विभाग, रायगढ के माध्यम से रोग मुक्त चकत्ते प्राप्त कर तसर कीटपालन कार्य करतें हैं एवं समयानुसार इस केन्द्र द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है जिसके फलस्वरूप उनके अथक परिश्रम से आमदनी में प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है। जिसका विवरण तालिकानुसार दर्शाया गया है -

वर्ष	फसल	पालित. रो.मु.च.	कुल उत्पादित कोसाफल	कोसा उत्पादन/ रो.मु.च.	कुल आय (रूपये)	प्रतिदिन आय (रूपये)
2016-17	प्रथम	200	12000	60.00	13308.00	332.70
	द्वितीय	400	12300	30.75	15064.00	301.00
	तृतीय	450	31850	70.00	43477.00	668.80
	योग	1050	56150	53.47	71,849.00	434.00
2017-18	प्रथम	400	36250	90.62	57175.00	1429.30
	द्वितीय	300	15800	52.66	24776.00	495.50
	तृतीय	400	28200	70.50	36910.00	567.80
	योग	1100	80250	72.85	1,18,861.00	830.80
2018-19	प्रथम	400	14000	35.00	19625.00	490.60
	द्वितीय	450	40200	89.33	43030.00	860.60
	तृतीय	450	35500	78.88	54710.00	841.60
	योग	1300	89700	69.00	1,17,365.00	730.90

उनके द्वारा बताया गया कि वे केन्द्रीय रेशम बोर्ड, बोईरदादर रायगढ़ के निर्देशानुसार रसायनिक खाद के स्थान पर आर्गेनिक खाद जैसे - वन प्रक्षेत्र से प्राप्त सूखी पत्तियों को गोबर में मिलाकर खाद का उपयोग किया जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ने से तसर कोसा उत्पादन में वृद्धि पाई गई और खाद्य पौंधों में पत्तों की बढ़ोतरी भी देखी गई। इस प्रकार वे लगनपूर्वक

कार्य किये एवं खुशहाल जीवन यापन करते हुए उनके परिवार के 5 बड़े एवं 2 छोटे बच्चों का संतोषजनक पालन पोषण कर आगे बढ़ रहें है।

श्री कमलसिंह, तसर उन्नतशील कृषक, ग्राम-बार (तोरना)

तहसील-बरमकेला, जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

श्री कमलसिंह ने आगे यह भी बताया कि उनके परिवार में बुजुर्ग माता-पिता थे एवं आय का साधन भी नहीं था परन्तु कीटपालन कार्य में बचपन से जुडे रहने के कारण उनकी पढाई 8 वीं कक्षा तक ही हो पाई एवं आगे रोजी रोजगार की समस्या होने पर गॉव में ही मजदूरी कार्य के अलावा कीटपालन कार्य को भी अपनाकर पिछले 5-6 वर्षो की कड़ी मेहनत का फल यह हुआ कि वे 2000 वर्ग फीट में पक्का मकान निर्माण कराए एवं इसके अतिरिक्त टी.व्ही., कूलर, फ्रीज, सिलाई मशीन एवं एक मोटर साईकिल की खरीद की। साथ ही साथ इस वर्ष में अपने बड़े बेटे की शादी की और बेटी कक्षा 8वीं में अच्छी स्कूल में पढ़ाई कर रही है। इसके अतिरिक्त उन्होने डेढ़ एकड़ जमीन भी खरीदी है और आज वे अपने अन्य साथियों को भी इस तसर कीटपालन कार्य से जोड़ने का प्रयास कर रहे है, ताकि उनके भी परिवार की आय का साधन बढ़ सके।

"तसर कीटपालन व्यवसाय" अपनाकर आय बढ़ाएं।

परिवार, गॉव एवं समाज में अपनी पहचान बनाएं।।

::::::::::::::::::::